(ग) क्या यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गयी है कि मध्य प्रदेश को किसी भी कृषि उपज मंडी में किसानों को समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर अपना गेहूं बेचने के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) 1993-94 में गेहूं का उत्पादन 57.80 मिलियन मीटरी टन होने की संभावना है ।

(ख) और (ग) वर्तमान 1994-95 के रबी विपणन मौसम के दौरान गेहूं की अधिप्राप्ति के लिए विभिन्न राज्यों में पर्याप्त संख्या में खरीद केन्द्र खोले गये हैं, ताकि कृषकों को प्रभावी समर्थन मूल्य प्रक्रिया उपलब्ध कराई जा सके तथा गेंहूं की संकटकालीन बिक्री से बचा जा सके । रबी के खाद्यानों के लिए मूल्य समर्थन योजना के कार्यान्वयन की मानिटरिंग करने के लिए खाद्य मंत्रालय तथा भारतीय खाद्य निगम (मुख्यालय), नई दिल्ली में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गये है । नियंत्रण कक्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर रबी खाद्यान्नों की कथित बिक्री की शिकायतें प्राप्त की जाती हैं और सम्बन्धित राज्य सरकारों/ अधिप्राप्ती करने वाली एजेंसियों को तत्काल सुधारात्मक उपाय करने की सलाह दी जाती है । मध्य प्रदेश राज्य सरकार को गेहूं की अधि-प्राप्ति के लिये राज्य में भारतीय खाद्य निगम के खरीद केन्द्रों पर बुनियादी सुविधायें तथा बोरियों की आपूर्ति जैसी सभी सुविधायें दी गई हैं ।

Joint Ventures between France and India for Milk Products

4059. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that leading Dairy Indusry Groups in France have recently indicated their interest in entering the Indian market and establishing joint ventures for milk products with the Indian Private Sector; and

(b) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) The Ministry of Agriculture is not aware of any leading dairy industry group in France to have indicated interest in entering Indian Market and establishing Joint Venture for Milk Products with Indian Private sector.

(b) Not applicable.

दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा खरीदा गया दूध

4060. श्री वीरेन जे० शाह : क्या कृषि मंत्री 18 मार्च, 1994 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या 282 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1993-94 के दौरान दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा कुल कितना दूध खरीदा गया है और किन-किन विभिन्न दरों पर इसे खरीदा गया था तथा वर्ष में दूध की खरीद पर कुल कितना धन व्यय किया गया है;

(ख) उक्त वर्ष के दौरान कुल कितना दूध बेचा गया है और इसकी बिक्री से कुल कितने धन की प्राप्ति हुई थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि दिल्ली दुग्ध योजना ने खरीदे गये दूध में से चिकनाई निकालकर विभिन्न प्रकार के अन्य उत्पादों को तैयार किया था; और

(घ) यदि हां, तो कौन-कौन से उत्पाद कितनी-कितनी मात्रा में तैयार किये गये और उनकी बिक्री से कुल कितने धन की प्राप्ति हुई ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) वर्ष 1993-94 के दौरान दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा खरीदी गई दुध की कुल मात्रा और वर्ष के दौरान दूध की खरीद पर खर्च की गई कुल धनराशि नीचे दी गई है :—

खरीद के स्रोत	कुल मात्रा (क्विंटल में)	कुल धन राशि (रु०/लाख)
राज्य डेरी परिसंघ	3,49,673.7	2,526.99
स्थानीय सहकारी समितियां	55,146.2	450.13
ठेकेदार (निजी आपूर्ति कर्ता)	3,98,155.7	3,056.69
कुल :	8,02,975.6	6,033.81